आकाशवाणी केन्द्र शिमला

07.02.2025 / प्रादेशिक समाचार / 11.00 बजे

मुख्यमंत्री

प्रदेश सरकार राज्य के दसवीं कक्षा के 50 होनहार विद्यार्थियों को एक सप्ताह की एक्सपोजर विजिट पर कम्बोडिया और सिंगापुर भेज रही है। छात्रों के इस दल को आज शिमला में मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर भी मौजूद रहेंगे। इस नई पहल के तहत प्रदेश सरकार शिक्षकों के साथ–साथ विद्यार्थियों के लिए भी एक्सपोजर विजिट पर प्राथमिकता दे रही है ताकि उन्हें वैश्विक स्तर पर बेहतर शिक्षा व अनुभव प्राप्त हो सके।

राजस्व मंत्री बैठक

हिमाचल प्रदेश को वन संरक्षण अधिनियम एफआरए के दायरे से बाहर करने के लिए अब सरकार सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर करेगी। राज्य सचिवालय में कल मंत्रिमंडलीय उपसमिति की बैठक में ये निर्णय लिया गया कि सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन गोदावर्मन मामले में हिमाचल भी अपना पक्ष रखेगा। राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने बताया कि सरकार ने लंबे समय से वन भूमि का उपयोग कर रहे छोटे और भूमिहीन किसानों को राहत देने के लिए ये फैसला लिया है।

प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना

प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के तहत लाभार्थियों के चयन हेतु ऊना जिला में दूसरा सर्वेक्षण शुरू किया गया है और इसके माध्यम से चयनित प्रत्येक परिवार को मकान बनाने के लिए 2.5 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। योजना के पहले सर्वेक्षण के आधार पर, ऊना जिले में 10 करोड़ 24 लाख रुपये की राशि के साथ 604 घरों को मंजूरी दी गई थी, जिनमें से 601 घर बना दिए गए हैं और लाभार्थी परिवारों को इसका लाभ मिला है।

विदेशी पक्षी

पौंग बांध क्षेत्र में इस बार विदेशी पक्षियों की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है। वन्य प्राणी विभाग के मुताबिक जल स्तर में गिरावट के चलते फीडिंग ग्राउंड क्षेत्र की भी बढ़ौतरी हुई है जिसके चलते उत्तरी भारत के विभिन्न वैटलेंड की अपेक्षा प्रवासी पक्षियों ने पौंग बांध क्षेत्र का रूख किया है। पौंग डैम क्षेत्र में पक्षियों की संख्या में इस वर्ष पक्षियों की संख्या में 83 हजार की बढ़ौतरी पाई गई है।

इस वर्ष हुई गणना में यहां 97 प्रजातियों के 1 लाख 53 हजार से अधिक पक्षी दर्ज हुए हैं, जो अब तक की सर्वाधिक संख्या है।

प्राकृतिक खेती

हिमाचल प्रदेश में सरकार के द्वारा अब प्राकृतिक खेती खुशहाल किसान योजना के तहत काम कर रहे किसानों को अपने उत्पाद बेचने के लिए जगह उपलब्ध करवाई जाएगी। इसके अलावा विकास खंड स्तर पर किसान संगठनों के लिए कैनोपी भी उपलब्ध करवाई जाएगी। ताकि वे अपने खेतों में तैयार प्राकृतिक कृषि उत्पादों को बेच सके। कुल्लू में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कृषि विभाग की आत्मा परियोजना की निदेशक डॉ रितु गुप्ता ने बताया कि जिला कुल्लू के 6 विकास खंड में भी इसी योजना के तहत कार्य किया जा रहा है। जिससे रसायन मुक्त खेती करने के लिए किसान प्रेरित होंगे ।

वही बंजार विकासखंड की किसान अनीता नेगी ने बताया कि उन्होंने भी जब प्राकृतिक खेती शुरू की तो पहले उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लेकिन अब वे सेब के साथ–साथ पर अपने बगीचे में मिश्रित खेती भी कर रही है और इससे उन्हें अब अच्छी आमदनी हो रही है।

————————————